प्रधान मंत्री के नाम प्रोत्साहन पत्र संख्या–98

सह

जन्मदिन की बधाई आ, जी–20 के सफलता के शुभकामना

प्रधान मंत्री जी!

सादर प्रणाम्

निर्माण आ सृजन के देवता भगवान विश्वकर्मा के साथे–साथे निर्माण आ सृजन के दूसरा अवतार के रूप में भारत भूमि पर रउरा के पा के भला के ना अहलादित होई। जेकरा यश कृत आ धैर्य के डंका सारा संसार में बाजि रहल बा। हम एह पावन अवसर पर अपना भोजपुरी मुक्तक से अभिनंन्दन करऽतानी देखल जाउ–

गंगा के पवित्रता ना घटि घिघोरला से,
झटहा सही पेड़ नाही छोडी परमारथ के।
विश्वगुरू भारत बा रहल सबदिना से,
होता जयकार होई हरदम देश भारत के।। **–सत्येन्द्र सिंह ''सिवानी''**

प्रधान मंत्री जी! हमरा समझ से साधक आ सृजनहार कबो बरवान आ बडाई के फरछाही भी ना देखल चाहेला। ओइसना आदिमी के त मन में मंशा खाली नया निर्माण के होला जवना के बखान सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास आ सबका प्रयास के रूप में युग–युगान्तर ले युग पुरूष के रूप में होत रही।

प्रधान मंत्री जी! भारत मंडपम के निर्माण के समझल हलुक बात नइखें। कारू के खजाना समझि के देश के संपति के स्वाहा करे वाला सवारथी अनखाती लोग के भेजा में भेजलो पर इ बात ना समाई कि भारत में हर शुभ काम शुभ संस्कार नया मंडप बना के कइल जाला। नया निर्माण से संकल्प सिद्ध होला। जवना में कर्मजोगी, श्रमयोगी, राष्ट्रजोगी, मर्मजोगी के खून पसेना आ पसेवा से रून्हान में भी रास्ता बनि जाला। प्रधान मंत्री जी! हम अपना भोजपुरी के रचना के माध्यम से भारत दर्शन जवन 28 राज्य के 41 शहर से जी–20 के बइठक के बाद सफलता के शिखर पर पहूँचल ओह जी–20 के सफलता के भोजपुरी में पिरो के प्रस्तुत करऽतानी देखल जाउ–

जी–20

नया गृह मंडप बना के सजावल गइल,
अलख जगावल गईल दुनिया जहान में।
होता खातिरदारी के बखान चाहू ओर शोर,
भव्य दिव्य ज्योति जरा के मकान में।
विश्वमित्र भारत मिला के गला से गला,
भारत मंडपम के महिमा जना के।
अंग वस्त्र शोभित सुशोभित हर अंग–अंग,
विविध पकवान परोसाइल सब बना के।
अइला पर आदर जोहार हाथे हार लेके,
रूकसत रिवाज भईल प्यार में सना के।
हस्तिनापुर छत्र–छाया भारत मंडपम के,
रीत प्रीत हित हीया हर्षित बना के।
धन्य भूमि भारत माता भारती के धन्य धाम,
गद–गद सिवानी राष्ट्र रंग में गन्धा के।। **–सत्येन्द्र सिंह ''सिवानी''**

प्रधान मंत्री जी! मानस में बाबा तुलसी लिखले बानी कि – **बूँद अघात सहही गिरी कैसे,**
खल के वचन संत सह जैसे।

–जारी पेज–02

ओही तरे नरेन्द्र मोदी प्रधान मंत्री भारत सब कुछ सुनी के सही के नव निर्माण में लागल रहिले। प्रधान मंत्री जी! एगो जग जाहिर बात बा कि–

शंख आ मूर्ख अपना विवेक से ना दोसरा के बजावला पर बाजेला। ओइसही नव निर्माण पर विरोध के बाजा दोसरा के बजवला पर अनासों बाजे खातिर कुछ लोग तइयार रहता। उ लोग सनातन के तन उघार करतालो त कम से जाने के चाही कि सनातन–

सनातन त्याग ह, राग ह, सनातन अनुराग ह,
सनातन बेविचारी खातिर आग ह।
सनातन सत्य ह, श्रृंगार ह, सौन्दर्य ह,
सनातन अहंकारी के संघार ह।

अंत में प्रधान मंत्री जी! जी–20 के सफलता आ रउरा जन्म दिन पर बहुत–बहुत शुभकामना का साथे

राउरे–

भोजपुरी कवि
सत्येन्द्र सिंह ''सिवानी''
ग्राम–केल्हरूआ, पोस्ट–चित्ताखाल,
थाना–गुठनी, जिला–सिवान–(बिहार)
पिन कोड–841435
मोबाईल नं0–8084660707
दिनांक–19.09.2023